Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 06 जून, 2022

हॉकी 5-एस चैंपियनशिप

भारत ने पहली बार आयोजित **अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ (FIH) हॉकी 5-एस चैंपियनशिप** का खिताब जीत लिया है। स्विट्ज़रलैंड के लुसान में **05 जून, 2022** को फाइनल में भारत ने पोलैंड को 6-4 से हराया। टूर्नामेंट में भारतीय टीम एक भी मैच नहीं हारी। पाँच टीमों के इस टूर्नामेंट में भारत लीग मुकाबलों के बाद 10 अंक के साथ पहले स्थान पर रहा। हॉकी **5-एस** बहुत तेज़ी और उच्च कौशल के साथ खेला जाने वाला हॉकी का नया एवं छोटा प्रारूप है। कुल 20 मिनट के इस मैच में दोनों टीम्स में पाँच-पाँच खिलाड़ी होते हैं। वर्ष 2014 में चीन के नानजिंग युवा ओलंपिक खेलों में पहली बार हॉकी 5-एस मुकाबला का आयोजन किया गया था। हॉकी को छोटे फॉरमेट के माध्यम से लोकप्रिय बनाने की यह **अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ (FIH) की मुहिम का हिस्सा है।** इस छोटे प्रारूप हेतु खेल का मैदान नियमित मैदान के आकार का आधा होता है। हालाँकि यह प्रतियोगिता पर भी निर्भर करता है। FIH के नियम के अनुसार, हॉकी 5-एस के टर्फ के लिये अधिकतम आकार 55 X 42 मीटर होगा, जबकि न्यूनतम आकार 40 X 28 मीटर होगा।

भारतीय लिपिस्टिक पौधा

भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण (BSI) के शोधकर्त्ताओं ने एक सदी से भी अधिक समय बाद **अरुणाचल प्रदेश के अंजॉ ज़िले** (Anjou District) में एक दुर्लभ पौधे की खोज की है. इसे **'भारतीय लिपिस्टिक पौधे'** के नाम से जाना जाता है। इस पौधे की खोज सबसे पहले वर्ष 1912 में ब्रिटिश वनस्पतिशास्त्री **स्टीफन ट्रॉयट डन** ने की थी। यह खोज एक अन्य अंग्रेज़ वनस्पतिशास्त्री **इसहाक हेनरी बर्किल** द्वारा अरुणाचल प्रदेश से एकत्र किये गए पौधों के नमूनों पर आधारित थी. इसे वनस्पति विज्ञान में **'एस्किनैन्थस मोनेटेरिया डन' (Eschinanthus Monetaria Dun)** के नाम से जाना जाता है. BSI के वैज्ञानिकों ने बताया कि **ट्यूबलर रेड कोरोला** (Tubular Red Corolla) की उपस्थिति के कारण **जीनस एस्किनैन्थस (Genus Eschinanthus)** के तहत कुछ प्रजातियों को लिपिस्टिक प्लांट कहा जाता है। वैज्ञानिकों ने अरुणाचल प्रदेश में फूलों के अध्ययन के दौरान दिसंबर 2021 में **अंजॉ ज़िले के ह्युलियांग और चिपरू** से 'एस्किनैन्थस' के कुछ नमूने एकत्र किये थे। उन्होंने कहा कि प्रासंगिक दस्तावेजों की समीक्षा और ताज़ा नमूनों के अध्ययन से पुष्टि हुई कि नमूने एस्किनैन्थस मोनेटेरिया के हैं, जो वर्ष 1912 के बाद से भारत में नहीं पाए गए। प्रकृति के संरक्षण के लिये अंतर्राष्ट्रीय संघ (**IUCN**) ने इन प्रजातियों को **'लुप्तप्राय'** श्रेणी में रखा है। एस्किनैन्थस शब्द ग्रीक भाषा के ऐशाइन या ऐशिन से लिया गया है, जिसका अर्थ है शर्म या शर्मिंदगी महसूस करना, जबकि एंथोस का अर्थ फूल होता है। वनस्पतिशास्त्रियों के अनुसार, यह पौधा नम और सदाबहार वनों में 543 से 1134 मीटर की ऊँचाई पर उगता है तथा इस पौधे में फूल आने और फलने का समय अक्तूबर से जनवरी के बीच है।

तुर्किये

संयुक्त राष्ट्र में **तुर्की को अब तुर्किये (Turkiye)** के नाम से जाना जाएगा। देश का नाम बदलने के लिये राजधानी तुर्की की ओर से भेजे गए अधिकारिक अनुरोध को संयुक्त राष्ट्र (United Nations) ने मंज़ूरी दे दी है। तुर्की की रीब्रांडिंग करने के लिये पिछले साल राष्ट्रपति रेसेप तईप एर्दोगन (Recep Tayyip Erdogan) की ओर से एक कैंपेन लॉन्च किया गया था, जिसके बाद से सरकारी दस्तावेज़ों और तुर्की के लोगों की ओर से तुर्किये शब्द का प्रयोग किया जाने लगा। तुर्किये के रूप में इस नाम को वर्ष 2021 में चुना गया था जो तुर्की राष्ट्र की संस्कृति, सभ्यता और मूल्यों को बेहतरीन तरीके से दर्शाता है तथा व्यक्त करता है। स्थानीय लोग भी अपने देश को तुर्किये के रूप में संदर्भित करते हैं, लेकिन अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इसके अंग्रेज़ी संस्करण "टर्की" को अपनाया गया था। तुर्की सरकार ने फिर से ब्रांडिंग अभियान शुरू कर दिया है जिसके अंतर्गत निर्यात किये गए सभी उत्पादों पर **"मेड इन तुर्किये"** प्रदर्शित किया जाएगा। सरकार द्वारा टैग लाइन के रूप में "**हैलो तुर्किये**" के साथ एक पर्यटन अभियान भी शुरू किया गया है।

खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2021

केंद्रीय गृह मंत्री ने **4 जून, 2022** को **हरियाणा के पंचकुला** में **खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2021** का शुभारंभ किया। **वर्ष 2018** में केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गई भारत में सबसे बड़ी राष्ट्रव्यापी ज़मीनी स्तर की खेल प्रतियोगिता- खेलो इंडिया यूथ गेम्स का यह **चौथा संस्करण** है। खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2021 में पहली बार **पाँच पारंपरिक खेलों** को **शामिल** किया गया है, इन खेलों में **गतका, कलारीपयट्टू, थांग-ता, मलखंभ और योग** शामिल हैं। इनमें **गतका, कलारीपयट्टू और थांग-ता पारंपरिक मार्शल आर्ट** हैं। कुल मिलाकर 2,262 लड़कियों सहित 4,700 एथलीट 25 खेलों में 269 स्वर्ण, 269 रजत और 358 कांस्य पदकों के लिये प्रतिस्पर्द्धा में हिस्सा लेंगे, जो **4 जून से 13 जून** तक चलेगी। **खेलो इंडिया यूथ गेम्स-2021** के चौथे संस्करण में देश भर के लगभग **8,500 खिलाड़ी,** कोच और सहयोगी स्टाफ भाग लेंगे। खेलो इंडिया योजना का उद्देश्य पूरे देश में खेलों को प्रोत्साहित कर **बच्चों और युवाओं के समग्र विकास, सामुदायिक विकास, सामाजिक एकीकरण, लैंगिक समानता, स्वस्थ जीवन-शैली, राष्ट्रीय गौरव एवं खेलों के विकास से जुड़े आर्थिक अवसरों** के माध्यम से खेल के क्षेत्र में युवाओं की भागीदारी को बढ़ावा देना है। इस योजना के अंतर्गत विभिन्न स्तरों पर प्राथमिकता वाले खेलों में पहचान बनाने वाले प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को **8 वर्षों तक के लिये प्रतिवर्ष 5 लाख रुपए की वार्षिक** वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/rapid-fire-current-affairs-06-june-2022